

3644

3588

50 RS.



খাদ্য দোকানগুরু

চেল্লা চেল্লা -

১৫০০ টক্কা দামারু টেকাতু

মিঠুন নার পিণ্ড দক্ষাবাণী

জরি ১০/১০ পাঁচ কাঠা তিনি ছটাক খাদ্য

Sub-Registrar, Sonarpur

24-Passman

P. fee 3/- m/s.

$$\begin{array}{r} 13.50 \\ - 0.50 \\ \hline 13.00 \end{array}$$

কোবাণা প্রবীণ

কোবাণা সাতা

150/-

শিশির গুড়ী বাণা মুক্তু

১। শি সৰীর সওল

23

গুড়ী শি পাঁচ দোগাল মুক্তু

২। শি পুরীর সওল

13.50

মাতি হিন্দু লেপা ঘৃণ্যাশী

শিতা শুধীয় বিহারী লাল সওল

N 5

সাঁ চেল্লা, খাদ্য দোকানগুরু

মাতি হিন্দু লেপা চাকুরী

জরা ২৪ পক্ষণা !

সাঁ চেল্লা, খাদ্য দোকানগুরু

জরা ২৪ পক্ষণা !

14/-

কস্য আদা পিতৃর টেল প্রিক ভ্যাক্সাম স্টেশ প্রাপ্ত হাল ৪য় বিধি বচত

বৃত্তি স্বাধি গুড় বিলিংট গুড়ুর দেবুরী পাদি জরি জরা শায় পাবৰ্ত্তীয়

বৈজ্ঞানিক গুড়াধি গুড়ের দুর্বল হক হক সহ চিত্রাবৃ বিনা কোব মিয়েম

2404 26/12/36. 5/-

Mr. D. S. Parabda Viskar
S. H. Dist. Sonarpur

Received by



2404 = 50/-
2405 = 7/-
2406 = 4/-
= 57/-

Amount Rs. 57/-
Date 26/12/36
In the Sub-Divisional Office, Sonarpur
By Sub-Sub-Divisional Officer
Received by me

D. S. P.
- Registrar, Sonarpur

26/12/36

Ganesh Prak

1) Sub-Sub-Divisional Officer
2) Sub-Sub-Divisional Officer
3) Sub-Sub-Divisional Officer
4) Sub-Sub-Divisional Officer
5) Sub-Sub-Divisional Officer
6) Sub-Sub-Divisional Officer
7) Sub-Sub-Divisional Officer
8) Sub-Sub-Divisional Officer

Hand
written

D. S. P.

Received by me
in the Sub-Divisional Office, Sonarpur
Date 26/12/36
Business No. 57/-
Handwritten

- Registrar, Sonarpur

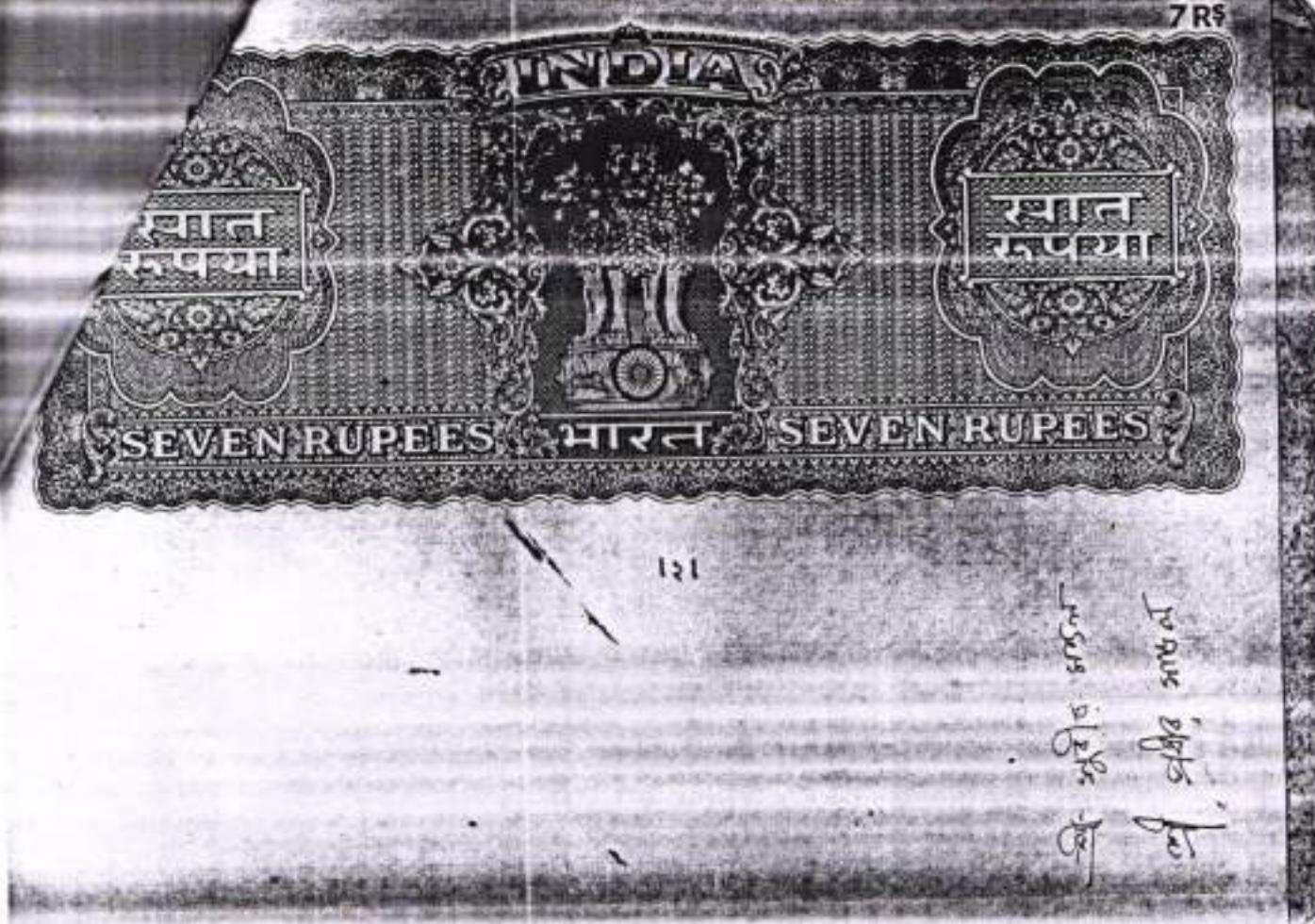
26/12/36

1590

1591

- 1592 57/-

Ganesh Prak



বিষ্ণুত গাঁক বিজয় দেৱালয়া মণিল প্ৰ বিস্ম কাৰ্য্যা঳য় -
জেলা ২৪ গুৱাহাটী, চোমাতৃপুর ধানবাড়ী অনুগতি বিজয় উৎসূচিল বিশেষ কুলে
পুকুশিত ধৰ্ম ও দোষায় এক জন্ম কুকু ১,২৫ শক্তি ইধিৰু কাৰ বাৰ্তিক বাজৰ
১৬ টোকা জয়াতু যথে ত একেতু তিম অংশ ১১০০ এক বিধা পাঠ বাঠৰ
তিম ছটাক ইধিৰু যথে কে দেৱালয়ায় ১০০ পাঠ বাঠা তিম ছটাক ইধি
বিক্রি ক সম্পত্তি হৈতেছে। ইতো হাতুৰাহাৰু বাৰ্তিক বাজৰা ১ টোকা ১৩
সম্পত্তি আমৃতা ও আদাদেৱু কল্পু স স্তুতি গুৰুৰ পৰ্বত মণিৰ পুলিম বিহারী
মণিৰ মহাপঞ্চমু সহিত এজমাটল ও আচ্ছাদণ বৰ্ষটৰ যামা সুজে ও পুনৰ্বৃন্দেৱু
চিহ্ন ক গুৰুচে হয় যামাতু সহি পত্তি ব বৎ সুকামু গঢ়ে ২৪ পুৰুণাং কালে কোৱা
বাহাদুরু অধীন সব সব ধৰ্য্যচৰ্কত যামাদি আদাদেৱু আমৃতা পুৰ শৌকানি ও
অবী ঔয়া ত্রিমাত্রণ কু চে উক্ত সম্পত্তি চোণ সখল ব ত্রিয়া আসিতেছি ।
একইপ আদাদেৱু পিতৃ বিজয়াধ হওয়ায় ও বিষ্ণু শুক শান্তিৰ জয় মণি

2405 20/12/26 21
Mr. & Mrs. Farquhar Nashar
Dhalia Sonarpur
Bengal
Received by

20/12/26 21



Sub-Registrar, Sonarpur

24-PARSHNA

21/12/26



१०१

१०१
रुपया
दो
रुपया
मार्त

मार्तम् अर्थवत् विषय आकार हैर्यापु टें सलि आम्रा मन्त्रि विषय ओ निर्वाच
मन्त्राय विषय एतिवात् देहाण्डा वा प्रमाव एतिले आग वि आमादेव शुभा वित
उत्तित त्रावी वा किया एकाकात् देहाण्डा ओ बामात् पत्रापु वाया युग्म
देवगद्योऽप्ता षृं १५०० छलत् हामात् टाका पठने एतिद एतिवात् शुभा एतिले
आम्रा आपमात् शुभाच गम्भ इह्या विष्व जाय एत एतेव बावद सम्मन्त्र उत्त
हवताक वृष्टिया गाह्या एत विष्वत् विषय एतिवात् आम्रा शौकात् ओ अवीकात्
एतित्वेति त्य - आग वि अस्याकात् एतिव इह्येव विष्व जापील वर्णित नम्त विष्व
यावद्यै विष्वात् त्रुट्वा सुत्वाम ओ मध्ये देवतावात्रिवी इह्या शुभावी देवत्याम
नम नम त्रावी आमादेव आपमात् पूर्व वहता आप वा गिर विष्व देवायनाम
आपमात् विष आप गत्व गत्व गृह्ण कृत्व शौकादि ओ त्रावी भूता क्रियाकाम क त्य
दाम विषय एकत्र देवमाम आमेवी वा वामेवी त्रुप्त एतेहा वाम्यत्व आम्रा
प्रत्यम सुद्धे वामेव देवाम देवता कत्वात् आमृत् । एतात आमादेव वा आपा निषेत्र

2406

20/12/74 - 26

Sri Garibdas Nashar
Shahne, Sonarpur

1124

1124

of Nakshatra

বাল্মীকি পুস্তক
প্রকাশনা সম্পর্ক



THE 10TH EDITION OF THIS BOOK

PRINTED IN INDIA.

N

Sub-Registrar, Sonarpur
24-Parganas.

24/12/74

ST 2123 45

T. 1967

FATIGUE FM 77

ଜ୍ୟୋତିଶ୍ଲାମ ଓ ଗୁଣାତିପିଙ୍କ ବା କିମ୍ବାର୍ଥାରୁ କାହାରୁଙ୍କ କାହାରୁଙ୍କ ପ୍ରକାଶରୁ ଦାରୀ ମାତ୍ରୟ
ତୁ ବିଳନ୍ତା ବା ସାହିତ୍ୟରେ ଯା । ଏମ୍ବେ ପି କବିତା କଥରୁ ଦୋଷରୁ ପ୍ରକାଶରୁ ଦାରୀ ମାତ୍ରୟ
କରୁ ଆ କିମ୍ବା ତରେ ତାହା ଗର୍ଭ ସର୍ବତ୍ତାତାରେ ସର୍ବ ଶାନ୍ତିତରେ ପ୍ରାଣୀ ବା ଯାହଙ୍କୁ
ହାତେକ । ମାତ୍ରୟ ପ୍ରକାଶ ଧାରେ ଯେ ଟେକ୍ ଗଲ୍ପ ତିତେ ଯଦି ଶାନ୍ତିଦେବୁ ଉତ୍ସ ବିକ୍ରି ଯ
ଦୟାରୀ ମୁକ୍ତ ବା ସାକା ପ୍ରକାଶ ପାଇଁ ବା ଆଶାଦେବୁ କୃତ ଦୋଷ କାର୍ଯ୍ୟରୁ ଧାର୍ଯ୍ୟ ଦୋଷ
ବ୍ୱାଦ୍ୟ ହତି ହୁଁ ବା ବିଷ୍ଣୁ ହଟେ ଅଜନ୍ୟ ପୂର୍ବତ୍ରାୟ ଆପନାରୁ ସବୁଚାହୁଁ ଶାନ୍ତିକାର୍ଯ୍ୟରୁ
ବନ୍ଦୀରୁ କରିଯାଇଯ ମନ୍ଦିର ଦ୍ଵେଷତ୍ତୀ ବିତ୍ତ୍ୟା ଲିଖିବା ମୁକ୍ତ ମୁକ୍ତ ଜ୍ୟୋତିଶ୍ଲାମ
ଏ ତେ ସର୍ବଦା ବାଧ୍ୟ ସାହିତ୍ୟ ଓ ସାହିତ୍ୟର ।

ଏତଦର୍ବେ ମୁକ୍ତ ପ୍ରୀତିରୁ ମୁକ୍ତାତ୍ମେ ଆପନ ଆପନ ବୁନିତେ କରିଯାରୁ ବିନାୟକ୍ରୂତ୍ୟାତ୍ମେ
ପ୍ରମାଣ୍ୟ ଧ୍ୟାନୀୟ ଉପର୍ତ୍ତି ଲିଖିତ ଗର୍ଭ ବାଧ୍ୟ ସାହିତ୍ୟ ଯା ଚିତ୍ର ପିତ୍ତମୁକ୍ତ ଶାକ
କିମ୍ବା ଦୋବାର୍ଯ୍ୟାରୁ ମୁକ୍ତାତ୍ମୀ ଗଟାରୁ ସମ୍ମର୍ଦ୍ଦିତ ମରି ଗଲାଦିନରେ ବିକ୍ରି ଯ ବିତ୍ତ୍ୟା । ଇତି
ମେ ୧୯୮୦ ମର୍ଦ୍ଦେବୁ ଏହି ଫଳୈଁ । ଐତ୍ତାହୀ ୧୯୭୬ ମାର୍ଚ୍ଚରୁ ୨୦ ଟଙ୍କା ତିଳେମ୍ବୁ ।

ଜ୍ୟୋତିଶ୍ଲାମ ବିକ୍ରି ର ଗଲ୍ପତିତ୍ର ପରିଚ୍ୟ

ମର୍ଦ୍ଦା ୨୪ ପ୍ରକାଶରୁ ଅନୁର୍ବିଦ୍ଧ ଧାର୍ଯ୍ୟ ଓ ନାବନ୍ଦେଶ୍ୱରୀ ଆତିଶ ଦୋବାର୍ଯ୍ୟରୁ
ପ୍ରକାଶ କଲିବାତା ଦ୍ୱୌଜା ଢଳୁକ୍କା ପ୍ରାଦେଶ ବ୍ୟାପକ ଦେଖି ମୁକ୍ତ ବିଧିଷ୍ଠ ମୁକ୍ତରୁ
ବର୍ତ୍ତମାନ ଯା ମିଳ ୨୩ ମର୍ଦ୍ଦାରୀ ବା ମର୍ଦ୍ଦାରୀ ଆତିଶ୍ଲାମ ଏହି ମର୍ଦ୍ଦାରୀ ୧୯୮୫ ମର୍ଦ୍ଦାରୀ
ଅନ୍ତର୍ଭାବ ବା ଧିକ୍ ବାଜନା ୨୩ ଟଙ୍କା ମର୍ଦ୍ଦାରୀ ପରିଧା ଯା ଏ ଦୋବାର୍ଯ୍ୟ ବିକ୍ରି ର



Sub-Registrar, Sonarpur
24-Parganas.

24-1-19

१०० पाँच बाठा तिन छोटाक विक्री जमिन शास्त्रायात्रि लाप्ति खालया १००का
जमा ।

दरमः ५प० च० ८०, चूर्ण गाँधी च० २००, कालेहोटारु ०४० - ०४२, चौथि

चूक खतियाम च० हाल १८१ एकलाई एकलाई च० विक्रीम लिखिए

हाल १८५ एकलाई लेचालि च० माले लालि १२५ प्रत्यक्ष संदेश पूर्व उड्डु रोप

हइदेह १०० पाँच बाठा तिन छोटाक जमि जमि च० दोबालारु विक्रीभूत विक्री

नम्बरित रहेतद्दृष्टि ।

३५ विक्री च० १०० पाँच बाठा जमि याहा चालारु पूर्व विक्री १०० एक विक्री
जमिन गाँधी गाँधी चौकिक रहेतद्दृष्टि ।

विक्री जमि याहा चालेहम्बज्जे चतुर्थ लालि जमि ३५गुण द्वितीय लिखिए

दस्युमाह ७ लक्ष्याम चारावास रहेतद्दृष्टि ।

ठाकारु जापु -

१०० उआकारु द्वाते २५ इकडा - १०० उआका

बदलाम देख शास्त्रारु ठाकारु शास्त्रारु

लिखिए अभिन्न अभिन्न

प्राप्ति अभिन्न अभिन्न

सेवा

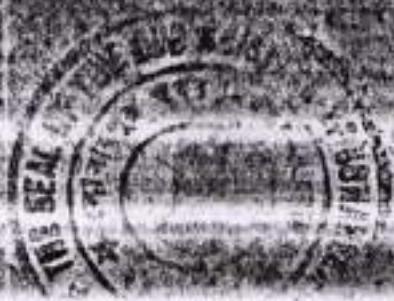
अ अ अ अ अ अ अ

८५ अ अ अ

उआके बालुक
प्राप्ति अभिन्न अभिन्न

अभिन्न अभिन्न

अ अ अ



Registred
24-Passenger

24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36

U.S.-Registar
A-Prana
21 42